MASTER OF ARTS (ECONOMICS)

Term-End Examination

June, 2022

MEC-105 : INDIAN ECONOMIC POLICY

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Attempt questions from each section as per instructions given.*

SECTION A

*Attempt any **two** of the following questions in about 700 words each.* *2×20=40*

1. What is the rationale for improving agronomic practices in India ? What role can private sector play in this regard ?

2. What is the role of demand constraints in slowing down India's industrial development ?

3. Discuss the social security legislations enacted in India for improving worker well-being. Comment on its inter-linkage with inequality.

4. "Investment has a two-way relation with economic growth." In the light of this statement, outline the limitations of fiscal multipliers in stimulating GDP growth.

SECTION B

*Attempt any **five** of the following questions in about 300 words each.* *5×12=60*

5. Have policy changes in tariff and tax made Indian services more competitive ? Discuss it in the context of tourism and healthcare sector.

6. How has Mahalanobis model redesigned development thinking in India ? Comment on the need for an active role of the State.

7. Critically evaluate the role of Public Interest Litigation (PIL) in promoting public goods and good governance in India.

8. Examine the trends in India's female labourforce participation rates. What explains its decline in India ?

9. How is quality of life and formal employment inter-linked ? Discuss it in the Indian context with empirical evidence.

10. Why is there a need for Corporate debt market in India ? Discuss.

11. "Growth of external debt is a far more serious matter than internal debt." Do you agree with this statement ? Why ?

12. In the context of India's Tax-GDP ratio, answer the following :

(a) Role of Direct and Indirect taxes

(b) Comparison of India's Tax-GDP Ratio with that of Asian developing economies

एम.ए. (अर्थशास्त्र)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2022

एम.ई.सी.-105 : भारतीय आर्थिक नीति

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *दिए गए निर्देशानुसार प्रत्येक खण्ड से प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

खण्ड क

*निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 700 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए ।* *2×20=40*

1. भारत में कृषि-सम्बन्धी प्रथाएँ (practices) सुधारने के पीछे क्या तर्काधार हैं ? इस सम्बन्ध में निजी क्षेत्र क्या भूमिका निभा सकता है ?

2. भारत के औद्योगिक विकास की गति धीमी रहने में माँगजन्य रुकावटों की क्या भूमिका है ?

3. श्रमिकों की खुशहाली में सुधार लाने के लिए भारत में अधिनियमित सामाजिक सुरक्षा क़ानूनों की चर्चा कीजिए । असमानता के साथ इसके अन्तर्सम्बन्ध पर टिप्पणी कीजिए ।

4. "विनियोग का आर्थिक संवृद्धि के साथ दुतरफा सम्बन्ध है ।" इस कथन के आलोक में, सकल घरेलू उत्पाद की संवृद्धि को बढ़ाने में वित्तीय गुणकों की सीमाओं को रेखांकित कीजिए ।

खण्ड ख

*निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लगभग 300 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए ।* *5×12=60*

5. क्या भारतीय सेवाओं में शुल्क (तटकर) एवं करों में किए गए नीतिगत परिवर्तन ने इन्हें अधिक प्रतियोगी बनाया है ? पर्यटन एवं स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र के संदर्भ में इस पर चर्चा कीजिए ।

6. भारत में महलनोबिस मॉडल ने विकासपरक चिन्तन को किस प्रकार पुनर्रचित किया ? राज्य की सक्रिय भूमिका के लिए आवश्यकता पर टिप्पणी कीजिए ।

7. भारत में सार्वजनिक वस्तुओं और सुशासन को संवर्धित करने में लोकहित मुकदमों (पी.आई.एल.) की भूमिका का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए ।

8. भारत में महिला श्रमशक्ति की सहभागिता दर की प्रवृत्तियों का परीक्षण कीजिए । भारत में इसकी दर में कमी आने के कारणों की व्याख्या कीजिए ।

9. जीवन की गुणवत्ता एवं औपचारिक रोज़गार किस प्रकार एक-दूसरे से अंतर्सम्बन्धित हैं ? भारतीय संदर्भ में आनुभविक प्रमाण के साथ इस पर चर्चा कीजिए ।

10. भारत में निगम (Corporate) ऋण बाज़ार की आवश्यकता क्यों है ?

11. "विदेशी ऋण में वृद्धि आन्तरिक ऋण में वृद्धि से अधिक गंभीर मामला है ।" क्या आप इस कथन से सहमत हैं और क्यों ?

12. भारत के कर-सकल घरेलू उत्पाद (GDP) के अनुपात के संदर्भ में, निम्नलिखित का उत्तर दीजिए :

(क) प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष करों की भूमिका

(ख) भारत के कर-सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात की एशियन विकासशील अर्थव्यवस्थाओं से तुलना